

2704

ॐ उ नू का स हं रु द्वा ॥ ॐ ग म ना स हं रु द्वा ॥ ॐ स क रा स हं रु द्वा ॥ ॐ य म रा ना स हं रु द्वा ॥
ॐ य म दू ति स हं रु द्वा ॥ ॐ य म ड डू य हं रु द्वा ॥ ॐ य म म थानि म म रु द्वा ॥
ॐ य द्र ग द मा य हं रु द्वा ॥ ॐ ग क ना य हं रु द्वा ॥ ॐ क्रा रा क रा य हं रु द्वा ॥ ॐ क न क
हं रु द्वा ॥ ॐ उ दू द ल सा य हं रु द्वा ॥ ॐ ल कि व न हं रु द्वा ॥ ॐ स ना य हं रु द्वा ॥
ॐ ला य का य हं रु द्वा ॥ ॐ किली कि रा य हं रु द्वा ॥ ॥ य स य द्रा य
रु द्वा ॥ ॥ य द स ल सा ॥ ॐ व उ टि ग न हं रु द्वा ॥ ॐ व उ व स ग ॥ ॐ व उ मृ द ग हं

॥ व उ मृ नू उ हं ॥ व उ ला स हं ॥ ॐ व उ माल ग ॥ व उ गी न हं ॥ व उ नि
नू ॥ व उ वू हं ॥ व उ यू हं ॥ ॐ व उ दि य हं ॥ ॐ व उ य म कि नू की
॥ ॐ व उ ग य ॥ ॐ व उ द स न ॥ ॐ व स वि हं ॥ ॐ व स व हं ॥ ॐ व स
व स य उ ग हं ॥ १७ ॥ सु नि ॥ स व ह न स द ह उ द र्थ य आ द क वि ना म
नि व रु न ला स व न न प्रा सु न या फि वि स म रा ग्य न स र्था म नि स द थि
न कृ पा क्रा य म ला यो दु ला स व न न प्रा सु ना द य ना ॥ ॐ न म्रा ह म

विष्णुका॥ तद्वलिषां जूहं मी लु क न उ म ह क न तस्मि म ५४ द म दि म्ब नि न्या वी
न वि न म्ब त्री ह्ना ना म्ब त म्ब नि म त न वा क्म न य य वि व्ब वि ल म त ना ५४ ४ व लि ष
प्रि ष्ठा न ॥ जूः वाः यः पः लाः र्धः कुः न ॥ त ना जू लि क लि य लि न त र द्र सूर्य क र द
मा ग त हं का त ह द्वा ॥ जू म्बा न्या नू ग त स व म्ब म्बा ५४ व त स्या त नू ग त स व म्ब म्बा ५४
सू त नू य त वि ष्ठा स र्व म्बा ॥ द वा य म्बा ली त दू क वा य त म्बा न ५४ न स ग न ल
य म्बा न यदि वा स मा नू ग ह हं क न ता ॥ हं क नू क व क वि द वा ५४ ५४ व किली

ऊ ४ हं वी ता ४ व क वा कि न ४ स म य स ह द स्या ता ४ ॥ ५४ क न २ क नू २ व ग्म २ न
स म २ क न म २ दं २ ह त २ हं २ क दू य व २ द ह २ व व २ व क २ स व नू यि ना न
मा ला व त वि न गू हं २ स य त ल ग न लू क ग र्ज य २ श क व २ प्री २ लो २ हं २
हं २ कि नि २ सि नि शि री त्रि शि लि २ हं २ क दू स्या ता ॥ ५४ स व २ वा हि २ स
व म्बा नू क नू क न य त यि म्बा नू मा दा ५४ म्बा नू की मी द य म्बा नू स व नि
ऊ क नू स म य न क नू स म य सि दि म य म्बा नू य र्थ व त र्थ व लू त र्थ वि य र्थ

जिद्यथसात्तिकमथमममर्वसत्ता नाम सर्वाका तया सहस्रवैपथद्वयं
सहायकारववुहं हं रुद्र रुद्र साहा॥ वः लाः यः प्रः त र्वन॥ मालसा
कृष्णपूजायासाधूपा निताउन॥ पूजावकव्यागा॥ अया॥ यमम्या
ॐ यादि॥ वलि॥ जू न सूर्य ॐ सादि॥ राक पूजा॥ सन ऊन अजि
वादविप्रर्जन ॐ ति सुव न स मा धि वूजा स प्रा फ सूरु॥ स व न व
मि र्व न थ क न सः समीगा य न वा या थ म न इल सूरु॥ न ग न न र न डी वा स

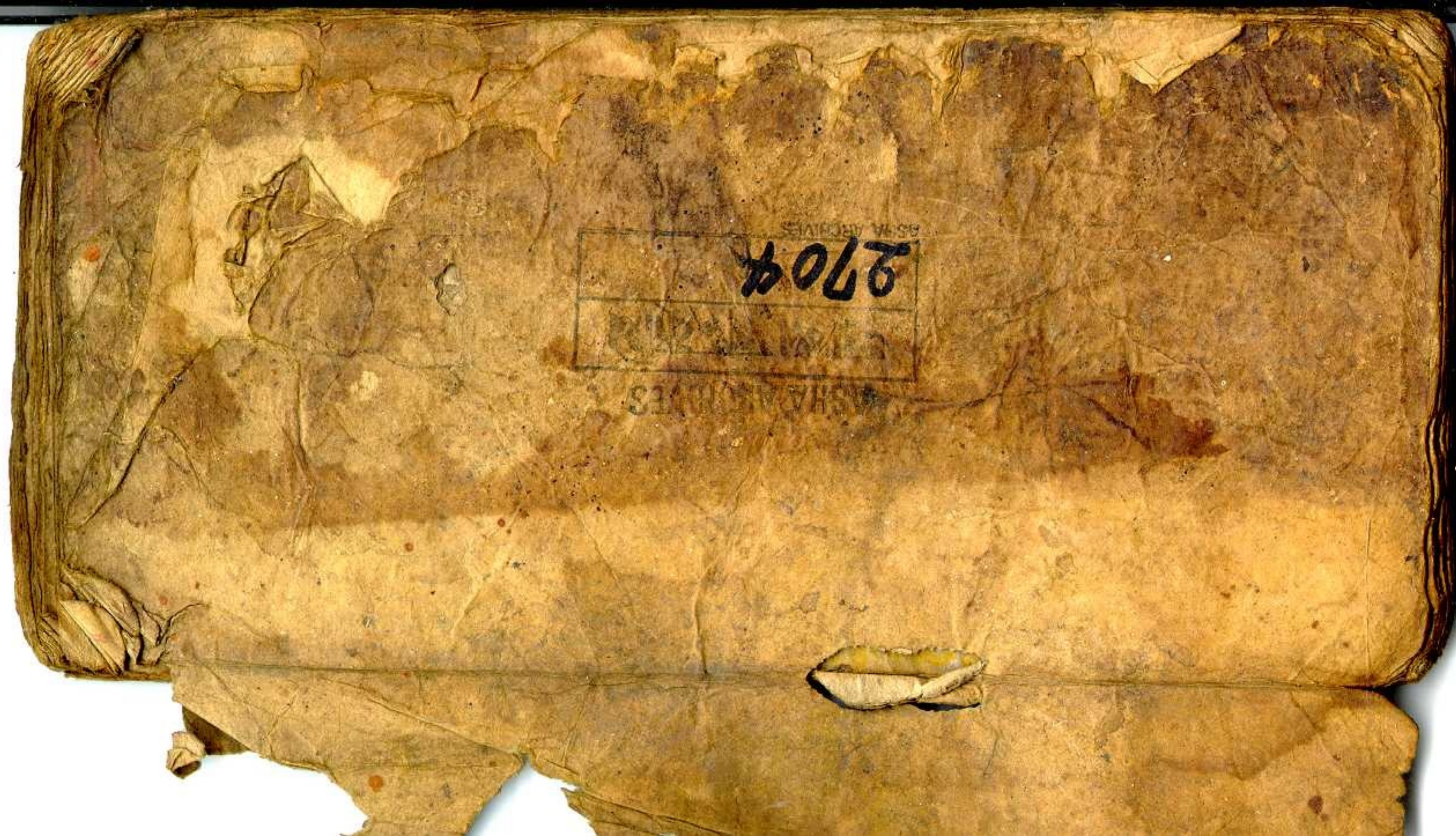
प्रय ना क न रु मा सा क रि रु ला इ वि र सि या गु र न शु र॥ ॐ ॥
उ न म्या पुष्या॥ तु त म वि सु र्ज स धि सि दि ग व व रु रु दि वि रु वि सु वि र त न न वि ज ति
म्य श्रु त म पि कृ त स रितः ना मि स रु व मा ग न र सि व ग रु उ प्र कि दि न का॥ अ वि त दु वि त
य रुः जि न नि सः त व दु र्वा इ वि त क न क व ह्नु रु न मा म त रुः स र ति ल व लि थ न शु व रु म
इ न ति सा॥ द स व न त व नि त्रः शु व रु तं प ल तं॥ १ ॥ म द न त्र न रु रुः का य थ अ द क रुः
नि रु व न ति न क सु मि ल ना जाल रु रु स म सु र म रु ति वा रुः रु रु न रु न सि ल द स व न न

वनि ॥ २ ॥ असुलसुलनाः आगजमगहः सकलसुवनधामाकसिधिकस
यः स्वयितमंनुजधानाः अजापानिष्ठः दसवलतवनि ॥ ३ ॥ उदयगिरितत
अविदुमाजदतमतिमित्रमिकलततः वरुप्रकयधानाः नवियविमदलालः सवथासा
अपिसुतादसवतवनिनसुप्रकातप्रलेत ॥ ४ ॥ दिलदतसनवाहुः शान्तमिससाका
कालिकुवलजनाः सवसुजामनिजः अविगतमदवागः सवथासापिसुता ॥ दसवलतव
नि ॥ ५ ॥ प्रवतनजवतः वादसाधुदनाउपनिममकनावासामवद्रववगजम

लकमदधानिसाविज्ञायिसुता ॥ दसवानवनि ॥ ७ ॥ किलमिलिबिदवतारः सवये
स्तुप्रवितिः निरुतनसवदज्रायवमनमिः सदगिरिवलपुतासापिसुता
सुलि ॥ दसवलतवनि ॥ ८ ॥ अलेतकुनिसवानिः दुदयाधिः नवानासूत्रय
निरयसंज्ञाः विरुमाधयित ॥ अनसनिसिरुसुताः कासंयकाविमाग्ता ॥ दस
वननवनि ॥ ९ ॥ कुवतयादतनिलः पुदलिकायताजः सुलनियुक्तादना
विज्यदृष्टिः अविदुमाजदतमतिमित्रमिकलततः वरुप्रकयधानाः नवियविमदलालः सवथासा
अपिसुतादसवतवनिनसुप्रकातप्रलेत ॥ १० ॥ दिलदतसनवाहुः शान्तमिससाका
कालिकुवलजनाः सवसुजामनिजः अविगतमदवागः सवथासापिसुता ॥ दसवलतव
नि ॥ ११ ॥ प्रवतनजवतः वादसाधुदनाउपनिममकनावासामवद्रववगजम

[illegible]

मननव्यापिसाधिसूक्तकुम्भाः दसवत्रतवनिष्ठा १३ ॥ असनवसनदिननिष्ठ
जाग. नृजानावदुविषयविद्यातः पतनददहाः उरुप्रगतिनिदिताः तपिनीनाः
विस्तृतदसवत्रतवनिष्ठा १४ ॥ अथमस्तु मस्तारुः वसगमिनाद्यस्तुतस्तुतस्तु
मस्तारुः ^{मस्तारुः} व्यानिकवगमिदधिवगनसतस्तुविस्तृतः दसवत्रतवनिष्ठा १५ ॥
उमयवृत्तकयलजजगिद्रादिहोरुविगगनात्राकयात्रातथाः नाः ॥ अथिअगनसत
अविषतस्तुविस्तृतः दसवत्रतवनिष्ठा १६ ॥ अथवज्रदिविमानः भातत्रातनस्तमनि



2704



सधकनाकनाग्रहसीतमुधविनासमसुखदत्रदिनायात्रिसातिविसुत्राःदस
वनतवनिआ॥१०॥रुखननिद्रात्रवतनतसिधितःरुक्मविसास्त
सयनिविषयाप्रकाशकाप्रसूतसूत रुत्रयानिबतमानआगानिर्मसतन
नवननभाउतस्य॥१॥रुथाकुलसतनिपिततिरुप्रःनिर्तिकजतिनसतःकुत्र
नभामुतस्यतवेमुनिकवीसउतस्यनकिमतगुनतिगुनसागनस्य॥सुप्रकातत
रुक्मसूतनामिउकःरुक्मनमिल्लाःयाननित्रमसमादिनात्रविद्युनप्रका

तैपुनदवलितालवियससाकावतप्रसवमरुजराजमत्तयेयाद्वयागता
गतिवृषकथवृषस्य॥सुप्रकातसुनंउतनिधायकुदिभक्तिवृद्धप्रमंसच
रुप्रनमादिदीन्या॥रुत्वालकमरुमहाप्रनिबलसधर्मयननिदाप्रदतत्रागद
षठालियसातिनिर्गदउवनसमूयाजितखरुमयाप्रतनतत्रयादिप्रकापत्र
रुवेकुदकुदसवत्रानवत्रातमाय॥१॥रुत्वा॥सकतत०१मिउथक१
सहगानतववात्रमासाकरिहवाप्रकृताऊमाहविहसिनेधुतमयिसयूनसी
यमोकरुलसुहृ॥१॥

[illegible]

नां सति वाथि नाथ दुःख दातॆनै न क पूत्रा दांक थ चित यि रित तें विमं सांत धिता
वीदता वृक्षा ना मि सदा रु ग व तां रु ग न प्र स्वा मि स्व लि ४॥
१ प्रा पां जाति स विरु त्पा, ई आ व रु हं श्वरय प्र हं हं हं हु ट सा हा भाल ३५ था स
नि ला ता सि य, ला हा अश स्था ना थ म, उं वं द हि भा ति य हं हं हं हु हु र सा हा
ला हा स ग व पुष दा कि नि य उं हं हं हं हु न हु ट सा हा ती न म झू क्षा नि, उं व रु
जा कि नि य हं हं २ हु ट हु ट सा हा स्व या दा या य रि मु का, मि ल स थि म, स व

यद्यथा रुद्राकिनिमर्दं हं हं रुद्र रुद्रस्ता ता २१ निष्कानि यः लाता मूः का स
 धियः मिच्छका ११ ता नं परिच्छः सिलं न स्पं सा २ पतिथियः वत्तं यं हि मं हि
 हं हि आ हि मर्दं हं हं रुद्र रुद्रस्ता ता ४० ॥ ॥ ॐ नमो ४० रुद्र सं वला म
 ॥ ॐ ॥ ४० ॥ मद्रुज सत्तु नं व न र त्र धं क मत्रा म स म्प्राप्ता ना वला स न क ना य न म
 ४० नमः क रु न मा न म ४० ग्यां हं ती न म म्प्रा मि श्वा रु द्वा र्थं व सि द मे ॥ ॥
 व द रु द्वा गि स म ह स ता न नी य ति मृ य स रु द्वा र्थं न म मा म्प्रा न ह

व॥ श्रीमन् वज्रजं काय दकिनी चक्र वर्तन वसो हानात्क्रान्ता म ज्ञानाम ऊगता
नमो यावन्त वज्रजं किं न किं न सक्तं वदनात्ता काकिं प्रवृत्त न निष्ठा वति स्थ
नमस्तदा अतिशयं न न शुभनाल वयम् ॥ श्रीमन् वं जं का प्र नमद्व म्ज्ञान
हं कात हं वज्रित वका न रूप नाथ मक का प्र न क विस्मृत ॥ सर्व सत्त्व द न हं ता
शुक्र वर्तु द्वि लज सम त मात्मा न हा वयम् ॥ तदनु क न साध न द कि न ह क्षम
श का न न स म्म म ह्मल वा म ह ह्म श का न न व शु म ह्मल ॥ ह न म द्रि स्वा ता ॥

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]



